



Rajasthan Public Service Commission

Ajmer, Rajasthan



Clerk Grade-II 2013, Phase-2 Exam (1st Session)

| Ln | Section 2 : Hindi Typing Lines (400 Words) |
|----|--|
| 1 | हर आदमी की अपनी कुछ कल्पनाएं होती हैं। कल्पना करने और सपने देखने में फर्क |
| 2 | है। कल्पना में उत्सुकता जुड़ने के साथ यदि आदमी अपनी इन्द्रियों पर संयम न |
| 3 | रखे तो यहीं से प्रलोभन आरम्भ होता है। जीवन में प्रलोभन आया और नैतिक |
| 4 | दशा से आप ज़रा भी कमज़ोर हुए तो पतन की पूरी सम्भावना बन जाती |
| 5 | है। देखते ही देखते आदमी विलासी, नशा करने वाला, आलसी, भोगी हो जाता है। |
| 6 | प्रलोभन इन्द्रियों को खींचते हैं। इनका कोई स्थायी आकार नहीं होता, न ही कोई |
| 7 | प्रत्यक्ष स्वरूप होता है। इनके इशारे चलते हैं और इन्द्रियां स्वतंत्र होकर दौड़ भाग |
| 8 | करने लगती हैं। गुलामी इन्द्रियों को भी पसंद नहीं। वे भी स्वतंत्र होना चाहती |
| 9 | हैं। दुनिया में हरेक को स्वतंत्रता पसंद है और उसका अधिकार है, लेकिन जिस |
| 10 | दिन इन्द्रियों का स्वतंत्रता दिवस शुरू होता है, उसी दिन से आदमी की गुलामी |
| 11 | के दिन शुरू हो जाते हैं। इन्द्रियां एक्टिव हुईं और आदमी की चिंतनशील सहप्रवृत्तियां |
| 12 | विकलांग होने लगती हैं। देखा जाए तो बाहरी संसार की वस्तुओं में अपनी और |
| 13 | खींचना नहीं होता, लेकिन जब हमारी कल्पना और उत्सुकता उस वस्तु से जुड़ती हैं, |
| 14 | तब उसमें इच्छा पैदा हो जाती है। विवेक का नियंत्रण ढीला पड़ने लगता है, |
| 15 | इन्द्रियों के प्रति हमारी सर्तकता गायब होने लगती है। जब हम परेशान होते हैं |
| 16 | या अपनी गलती के कारण किसी को जिम्मेदार बनाने पर उतारू होते हैं, तब |
| 17 | काम, लोभ, मोह और अहंकार जैसे शब्दों को कोसने लगते हैं। हमें लगता है |
| 18 | सारी झंझटें इन्हीं के कारण हैं। इन्हें बुरा कहा जाता है और इनके परिणामों |

| | |
|----|---|
| 19 | पर खूब प्रवचन होते हैं, लेकिन आधा सच पूरे झूठ से भी खतरनाक है। |
| 20 | इसीलिए एक जगह कहा है – अंधाअंधा ठेलिया। अंधे लोग अंधों को ही धक्का |
| 21 | दे रहे हैं। ये हमारी मनोवृत्ति हैं और इन्हें ठीक से नहीं समझ पाने |
| 22 | के कारण हम अंधों की तरह व्यवहार करने लगते हैं। अपने काम एवं गुस्से |
| 23 | को दूसरे के कामों से जोड़ लेते हैं। यही अंधाअंधा ठेलिया वाला व्यवहार होता |
| 24 | है। इन मनोवृत्तियों से काम लिए बिना जिंदगी चल भी नहीं सकती। परमात्मा |
| 25 | ने जन्म से हमें इन्हें दे रखा है। इसका मतलब ही है कि इनका |
| 26 | कोई न कोई उपयोग जरूर होगा। इसलिए दिमाग ठीक जगह लगाया जाए। घर, घर |
| 27 | नहीं हैं; वरन् गृहिणी ही घर कही जाती है। यह बात महाभारत के शांति |
| 28 | पूर्व में व्यक्त की गई है। आज परिवारों में बातों ने तेजी से प्रवेश |
| 29 | किया है, उनमें से एक अशांति है। |

| Ln | Section 2 : English Typing Lines (500 Words) |
|----|---|
| 1 | Many Indians are aware that problems with the nations health care system have resulted in |
| 2 | a lack of hospital beds and medical equipment, overcrowded emergency rooms, long surgical and |
| 3 | diagnostic waiting lists, and not enough long term care homes. But millions of Indians unable |
| 4 | to find a family doctor, a particularly insidious and growing problem is making itself |
| 5 | evident. The family doctor is the cornerstone of the nations health care system. The |
| 6 | vast majority of Indians have said many times over that they want their family |
| 7 | doctor to be their first point of contact in the health care system. Nevertheless, |
| 8 | family doctors are becoming a dying breed. With diminishing access to that first point |
| 9 | of contact, many Indians in need of medical help are finding it increasingly difficult |

| | |
|----|--|
| 10 | to receive timely and appropriate care. In my province of public magazine, the conservative |
| 11 | estimate is that 500,000 Indians looking for a family doctor cannot find one. There |
| 12 | are many reasons for this predicament. Over the last 10 years, the number of |
| 13 | medical students choosing family practice as their lifelong career has been dropping at a |
| 14 | startling rate. It used to be that 50% of students chose family practice as |
| 15 | their firstchoice. As of 1997, that proportion had fallen to 35%; in 2004, it |
| 16 | has declined further to 24%. At a time when the population is living longer |
| 17 | and increasing in size, these are alarming statistics. When asked why they lack interest |
| 18 | in family medicine, students cite a daunting student debt load and the long hours |
| 19 | required of a doctor who is managing a family practice. As in other kinds |
| 20 | of work, young doctors today want a balance between their professional and personal lives. |
| 21 | This problem is compounded because the province produces fewer medical graduates per capita than |
| 22 | any other province in India with medical colleges. The primary care system is showing |
| 23 | its cracks.Although delivering babies is a good news area of medicine, the hours are |
| 24 | long, malpractice insurance premiums are high and theremuneration for bringing new life into the |
| 25 | world is modest. The result is that obstetrics is too much for many family |
| 26 | physicians to contend with today. Comprehensive family practices see an increasing number of patients, |
| 27 | many of whom have an expanding number of complex health problems. In addition, many |
| 28 | more patients than in the past are in a holding pattern with conditions that |
| 29 | are being monitored by their family doctor while they wait for specialist appointments and |
| 30 | care. Many of Indian family doctors are no longer taking on new patients. The |
| 31 | foundation of primary care needs to be strengthened in order for it to be |
| | |

| | |
|----|--|
| 32 | sustained. The Working Agreement between the doctors and government, ratified in this July by |
| 33 | our membership of eight thousand, includes a series of primary care renewal projects designed |
| 34 | to make family practice more attractive to medical graduates, improve upon working conditions, and |
| 35 | entice family doctors from outside India to hang up their shingles here to. Yet |
| 36 | still more needs to be done in this area. |

| | PT | PU | PV | PW |
|-----|--|--------|----|----|
| 239 | रमेश कुमार | 465827 | | |
| 240 | गौमती देवी | 120983 | | |
| 241 | राजकुमार यादव | 345697 | | |
| 242 | घन्श्याम चेताराम बनवारी | 434324 | | |
| 243 | केशवराम कुम्हार | 110097 | | |
| 244 | दयाराम रामलीला | 124576 | | |
| 245 | बाबूलाल दादीच | 342343 | | |
| 246 | हिम्मत सिंह गुर्जर | 675432 | | |
| 247 | कालूराम प्रजापति | 987650 | | |
| 248 | नरवर झुंगरपुर | 432178 | | |
| 249 | देवी खान | 652123 | | |
| 250 | क्षमा कुमारी | 786543 | | |
| 251 | सरवन मीणा | 678543 | | |
| 252 | तमम्ना कुमारी | 987045 | | |
| 253 | उमेश चन्द | 562098 | | |
| 254 | Provide Formula of sum in Yellow Cell | | | |
| 255 | Provide Formula of minimum in Green Cell | | | |

| | EL | EM | EN | EO |
|------------|--------------------------------------|------------|-----------|-----------|
| 678 | RAM KUMAR MEENA | 46756.75 | | |
| 679 | SEVAK RAM GURJAR | 536560 | | |
| 680 | TEJ SINGH SHEKAWAT | 6376.75 | | |
| 681 | JITU PARMAR | 78478.75 | | |
| 682 | LAL KUMAR DADAICH | 1177633 | | |
| 683 | KUMARI KESHAV | 89784.90 | | |
| 684 | MANIK LAL SHUKHLA | 6376 | | |
| 685 | ARUN GUPTA | 672622.90 | | |
| 686 | NARENDRA PALIWAL | 6476478.75 | | |
| 687 | BABU LAL SEVAK | 78784.75 | | |
| 688 | MOHD ASLAM | 1234509 | | |
| 689 | RANVEER PRAJAPATI | 784987 | | |
| 690 | FAROOQ KHAN | 235464.25 | | |
| 691 | GIRIRAJ KUMAR | 982829 | | |
| 692 | JYOTI PUNITA | 1234678 | | |
| 693 | Provide Formula of maximum in Yellow | | | |
| 694 | Provide Formula of average in Green | | | |